LD-174
B.A. LL.B.
7th Semester Examination, Jan. - 2021
Paper - III
Civil Procedure Code and Limitation Act

Time:- Three Hours **Maximum Marks- 100**
Minimum Passing Marks-36

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।
Note: Answer all questions. All questions carry equal marks.

इकाई/Unit-I

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :– Write short notes on the following:-
(a) आज्ञप्ति Decree (b) निर्णय Judgement

अथवा/Or

"सम्मन से आप क्या समझते हैं? सम्मन की तामील प्रतिवादी पर कैसे की जाती है? समझाइए।
What do you understand by "Summon"? How summon is served on defendant? Explain.

इकाई/Unit-II

2. लिखित कथन से आप क्या समझते हैं? लिखित कथन कब प्रस्तुत किया जाता है? लिखित कथन में समाविष्ट अर्न्तवस्तु का विवरण दीजिए।
What do you understand by "Written statement"? When a written statement is filed? Discuss the contents of a written statement.

अथवा/Or

प्रापक से आप क्या समझते हैं? प्रापक की नियुक्ति कब एवं किस प्रकार की जाती है? प्रापक के शक्तियां एवं कर्तव्य क्या होते है।
What do you understand by "Receiver"? How and when the receiver is appointed? What are the powers and duties of receiver?

इकाई/Unit-III

3. अपील कौन कर सकता है? अपीले कितने प्रकार की होती है? संक्षेप में वर्णन कीजिए।
Who can file the appeal? How many types of appeal are there? Describe in brief.

अथवा/Or

अन्तराभिवचनीय वाद क्या होता है? एक अन्तराभिवचनीय वाद कब और किसके द्वारा दायर किया जा सकता है।
What is an interpleader suit? When and by whom can an interpleader suit be instituted.

इकाई/Unit-IV

4. मर्यादा अधिनियम के अधीन उन पर्याप्त कारणों का वर्णन कीजिए जिनके अधीन वर्णित समय अवधि बढ़ाई जा सकती है।
Explain the sufficient causes under limitation Act under which prescribed time period can be extended.

अथवा/Or

मर्यादा अवधि पर कपट या भूल के प्रभाव की संक्षेप में विवेचना कीजिए।
Discuss briefly the effect of fraud and mistake on the period of limitation.

इकाई / Unit-V

5. एम. पी. श्रीवास्तव बनाम बीना ए. आई. आर. 1967 सु. को. 1193 वाद के तथ्यों, निर्णय एक प्रतिपारित विधि सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

State the facts, Judgment and principles of law laid down in the case of M. P. Shrivastava Vs Beena AIR 1967 S.C. 1193.

अथवा / Or

पीरगोण्डा होनगोण्डा पाटिल बनाम कोलगोण्डा सिंघ गोण्डा पाटिल तथा अन्य ए. आई. आर. 1957 सु.को. 363 वाद के तथ्यों निर्णय एवं प्रतिपारित विधि सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

State the facts Judgment and principles of law laid down in the case of Pirgounda Hongounda Patil Vs Kolgounda Shinghgounda Patil and other AIR 1957 S.C. 363.